विषय : भूगोल (GEOGRAPHY)

1. प्राकृतिक भूगोल

क) **भू–आकृति** (**Geomorphology**)– पृथ्वी के पटल का उद्‌गम तथा विकास, पृथ्वी का संचलन तथा प्लेट विर्वतनिकी, ज्वालामुखी शैल–अपरदन चक्र डेविस तथा नवीन दिमनवीय शुष्क तथा कार्स्ट भू–आकृतियाँ पुनयूवीनत तथा बहुचक्रीय भू–आकृतियाँ।

ख) **जलवायु विज्ञान** (**Climatology**)– वायुमण्डल इसकी संरचना तथा संयोजन, वायु संहतियाँ तथा सीमाग्र–चक्रवात तथा सम्बन्ध परिघटनाएँ–जलवायु वर्गीकरण कोपेन तथा थार्नवेट–भूजल तथा जल वैज्ञानिक चक्र।

ग) **मृदा तथा वनस्पति** (**Soils and Vegetations**)– मुद्रा उत्पत्ति वर्गीकरण तथा वितरण सवाना तथा मानसून वन जीवोमों के परिस्थितिक पहलू।

घ) **समुद्र विज्ञान** (**Oceanography**)– महासागर तल उच्चावच भारतीय महासागरीय तल का उच्चावच लवणता, धाराएँ तथा ज्वार, समुद्र निक्षेप तथा मूँग चट्‌टाने समु।

ड़) **परिस्थितिक** (**Ecosystem**)–तंत्र, परिस्थिति–तंत्र की संकल्पना, परिस्थिति तंत्र पर मनुष्य का प्रतिवात, विश्व की परिस्थिति का असन्तुलन, पर्यावरण प्रदूषण।

2. **मानव तथा आर्थिक भूगोल** (**Human and Economics Geography**)

क) **भौगोलिक चितंन का विकास** (**Development of Geographical Thought**)– यूरोपीय तथा ब्रिटिश भूगोलज्ञों का योगदान, नियतिवाद तथा सम्भावनावाद, भूगोल में मात्रात्मक तथा व्यवहारात्मक क्रांतियाँ।

ख) **मानव भूगोल** (**Human Geography**)– मानव तथा मानव प्रजातियों का अविर्भाव मानव का सांस्कृतिक विकास विश्व के प्रमुख सांस्कृतिक परिमण्डल–अतंर्राष्ट्रीय प्रवजन, अतीत और वर्तमान विश्व की जनसंख्या का वितरण तथा वृद्धि, जनसांख्यिकीय संक्रमण तथा विश्व जनसंख्या की समस्याएँ।

ग) **बस्ती भूगोल** (**Settlement Geography**)– ग्रामीण तथा नगरीय बस्तियों की संकल्पना, नगरीकरण का उद्‌भव–ग्रामीण बस्ती के प्रतिरूप, नगरीय वर्गीकरण–नगरीय प्रभाव के क्षेत्र तथा ग्रामीण नगरीय सीमान्त नगरों की आन्तरिक संरचना विश्व में नगरीय वृद्धि की समस्याएँ।

घ) **राजनीतिक भूगोल** (**Political Geography**)– राष्ट्र और राज्य की संकल्पनाएँ, सीमान्त सीमाएँ तथा वफर क्षेत्र, केन्द्र स्थल तथा उपांत स्थल की संकल्पना, संघवाद।

ड़) **आर्थिक भूगोल** (**Economic Geography**)– विश्व का आर्थिक विकास मापन तथा समस्याएँ, संसाधन की संकल्पना, विश्व संसाधन, उनका वितरण तथा विश्व समस्याएँ, विश्व ऊर्जा संकट, अभिवृद्धि की सीमाएँ, विश्व कृषि–प्ररूप विज्ञान तथा विश्व के कृषि–क्षेत्र, कृषि अवस्थिति का सिद्धान्त, विश्व उद्योग–उद्योगों की अवस्थिति का सिद्धान्त विश्व औद्योगिक नमूने तथा समस्याएँ, विश्व व्यापार सिद्धान्त एवम् उनके प्रमुख मार्ग।

3. भारत का भूगोल

क) **प्राकृतिक पहलू** (**Physical Aspects**)– भू वैज्ञानिक इतिहास, भू–प्राकृतिक विज्ञान और अपवाह तंत्र भारतीय मानसून का उद्‌गम और क्रियाविधि, मृदा और वनस्पति, भारत में मृदा अपरदन की समस्या एवं उनका निवारण।

ख) **मानवीय पहलू** (**Human Aspects**)– आदिवासी क्षेत्र तथा उनकी समस्याएँ, अन्तर्देशीय परिव्रजन, जनसंख्या वितरण संघनता और वृद्धि जनसंख्या की समस्याएँ तथा नीतियाँ।

ग) **साधन** (**Resources**)– भूमि, खनिज, जल जीववीय और समुद्री साधनों का संरक्षण और उपयोग, पर्यावरण–परिस्थितिक, समस्याएँ और उनका समाधान।

i) **कृषि** (**Agriculture**)– सिचांई फसलों की गहनता, फसलों का संयोजन, हरित क्रांति, भूमि प्रयोग सम्बन्धी नीति, ग्रामीण अर्थ–व्यवस्था–पशुपालन सामाजिक वानिकी और घरेलू उद्योग, भारत के कृषि जलवायु प्रदेश।

ii) **उद्योग** (**Idustrial**)– औद्योगिक विकास का इतिहास, स्थानीकरण कारक–खनिज आधारित, कृषि आधारित तथा वन आधारित उद्योगों का अध्ययन, औधोगिक नीति औधोगिक संकुल और औधोगिक क्षेत्रीकरण।

घ) **परिवहन और व्यापार** (**Transport and Trade**)– सड़कों रेलमार्गों तथा जलमार्गों की व्यवस्था का अध्ययन, अन्तर क्षेत्रीय व्यापार तथा गाँव के बाजार केन्द्रों की भूमिका।

ड़) **बस्तियाँ** (**Settlements**)– ग्रामीण बस्तियों की प्रतिरूप : भारत में नगरीय विकास तथा उनकी समस्याएँ, भारतीय नगरों की आंतरिक संरचना, नगर आयोजन, गंदी बस्तियों तथा नगरीय आवास राष्ट्रीय नगरीकरण नीति।

च) **क्षेत्रीय विकास तथा आयोजन** (**Regional Development and Planing**)– भारत की पंचवर्षीय योजना, बहुस्तरीय आयोजन राज्य जिला तथा खण्ड स्तरीय आयोजन, भारत में विकास के सम्बन्ध में क्षेत्रीय असमानताएँ।

4. झारखण्ड का भूगोल (Geography of Jharkhand)

क) प्राकृतिक विभाग, मृदा समूह, वन, जलवायु, सिचांई कृषि का प्रारूप, सूखा एवं सूखाग्रस्त क्षेत्रों की समस्याएँ एवं समाधान।

ख) **प्रमुख खनिज**–लोहा, ताम्बा, बाक्साइड, अभ्रक, कोयला।

ग) **प्रमुख उद्योग**–लोहा–इस्पात, सीमेंट, आल्यूमिनियम, इंजीनियरिंग, लाह एवं रेशम उद्योग, प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र एवं औधोगिक विकास की सम्भावनाएँ।

घ) **झारखण्ड की जनसंख्या**– जनसंख्या वितरण एवं समस्याएँ, झारखण्ड की प्रमुख जनजातियों का अध्ययन, उनकी समस्याएँ एवं समाधान, नगरीकरण का प्रारूप।

5. विश्व का भूगोल

क) **वृहत् प्राकृतिक क्षेत्रः**— विशेषताएँ, आर्थिक आधार एवं मानव अनुकूलन।

ख) **विकसित देशों के क्षेत्रीय भूगोलः**— कनाडा, यू0एस0ए0, प0यूरोप, रूस, जापान, आस्ट्रेलिया एवं न्यूजीलैण्ड।

ग) **विकासशील देशों के क्षेत्रीय भूगोलः**— द0पू0 एशिया, द0प0एशिया, चीन, दक्षिण अफ्रीका एवं ब्राजील।

6. भौगोलिक विष्लेषण की तकनीकें

क) **मानचित्र**(Map) :— स्केल एवं प्रकार, उपयोग।

ख) **चित्र** (Diagrams):— प्रकार एवं उपयोग।

ग) **प्रक्षेपण**(Projections) :— प्रकार, विशेषताएँ एवं उपयोग।

घ) **दूरस्थ संवेदन एवं भौगोलिक सूचना प्रणाली** (GIS):— आकाशीय चित्र एवं कल्पना, जी0आई0एस0।

adda247